केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 47 रविवार 8 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मशहूर शायर शाहिद बस्तवी का निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मशहूर शायर शाहिद बस्तवी का शनिवार को निधन हो गया। वे बस्ती कचहरी में उर्दू अनुवादक के रूप में कार्यरत थे । बेलवाडाडी निवासी शाहिद बस्तवी का लम्बे समय से इलाज चल रहा था। रहमतगंज कब्रिस्तान में उन्हें सुर्पेदेखाक किया गया। वे अपने पीछे पत्नी, बेटा, बेटी व भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। लगभग 25 वर्ष पूर्व उन्होंने स्वर्गीय सत्येन्द्र नाथ मतवाला के साथ प्रेमचंद साहित्य संस्थान का गठन किया जिसके अंतर्गत साहित्यिक और सामाजिक गतिविधियां होती रही। बस्ती वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के सदस्य रहे । वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा उनके निधन पर गहरा दुख प्रकट किया गया । समिति के अध्यक्ष बीएन शुक्ल महामंत्री श्याम प्रकाश शर्मा, पंडित चंद्रबली मिश्र, ओमप्रकाश धर दिवेदी, अजमत अली सिद्दीकी प्रदीप के साथ ही डॉ. अफजल हुसेन अफजल, आदित्यराज 'आशिक' शाद अहमद शाद, दीपक सिंह प्रेमी, आदि ने उनको नमन किया

अधिवक्ता अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिवक्ता अपहरण कांड में पुलिस ने मुख्य आरोपी राकेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण ने बताया कि मुख्य आरोपी को पकड़ लिया गया है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। प्रकरण में सीसीटीवी फुटेज समेत अन्य साक्ष्यों का संकलन किया जा रहा है। घटना की वजह भूमि विवाद है। घटनाक्रम को लेकर शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने भी हड़ताल कर अपना विरोध दर्ज कराया था।

जिले में गुरुवार को अधिवक्ता के अपहरण की घटना से हड़कंप मच गया था। कोतवाली संतकबीरनगर के बनियाबारी निवासी अधिवक्ता प्रदीप पांडेय बस्ती शहर में बड़ेवन में मकान बना कर रहते हैं। उनके अनुसार वह गुरुवार को अपने निजी मामले की पैरवी के लिए बस्ती से खलीलाबाद बाइक से जा रहे थे।

आरोप है कि फोरलेन पर मुंडेरवा थाने के खझौला चौकी से आगे परसा मस्जिद के पास से कार सवार लोगों ने असलहा सटाकर कार में बैठा लिया था। कार में सवार आरोपियों ने कार में ही उन्हें मारापीटा तथा नकदी भी छीन लिया था।

वकील के मुताबिक अपहरणकर्ता उन्हें फोरलेन पर ही इधर–उधर घुमाते रहे। किसी राहगीर ने उनकी हरकत देख शोर मचाया तो उन्हें छोड़ भाग निकले थे। डरे सहमे अधिवक्ता ने फोनकर पुलिस को बुलाया और पुलिस ने घटनास्थल से उनकी बाइक बरामद कर अधिवक्ता को मुंडेरवा थाने ले आई।

अधिवक्ता की तहरीर पर राकेश सिंह, विपुल राय और नीलेश पांडेय निवासी खलीलाबाद संतकबीरनगर समेत चार के खिलाफ अपहरण व मारपीट का केस दर्ज किया गया है।

घटना की वजह जमीन को लेकर विवाद को बताया जा रहा है। एक सप्ताह पहले खलीलाबाद कचहरी में उनके पिता से विवाद हुआ था। उसी सिलसिले में पैरवी करने वह खलीलाबाद जा रहे थे। तभी रास्ते में उनका अपहरण कर लिया गया। बताया जा रहा है कि अपहरण के वक्त एक सिपाही अपनी पत्नी संग बाइक से घटनास्थल के पास से गुजर रहा था, जिसने सबसे पहले घटना की सूचना पुलिस दी थी।

आईएएस से पूजा खेडकर बर्खास्त

नई दिल्ली (आभा)। केंद्र ने पूजा खेडकर को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने छह सितंबर, 2024 के आदेश के तहत आईएएस (परिवीक्षाधीन) नियम, 1954 के नियम 12 के तहत खेडकर को तत्काल प्रभाव से भारतीय प्रशासनिक सेवा से मुक्त कर दिया। यह नियम केंद्र सरकार को यह अधिकार देते हैं कि यदि कोई परिवीक्षाधीन व्यक्ति ''पुनर्परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाता या यदि केंद्र सरकार को यह विश्वास हो जाता है कि परिवीक्षाधीन व्यक्ति सेवा में भर्ती के लिए अयोग्य था या सेवा का सदस्य होने के लिए अनुपयुक्त है'', तो वह उसे सेवा से मुक्त कर सकता है। खेडकर अपने कैडर राज्य महाराष्ट्र में एक परिवीक्षाधीन आईएएस अधिकारी के रूप में कार्यरत थीं।

बता दें कि एक महीने पहले संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पूजा खेडकर का चयन रद्द कर दिया था। पूजा खेडकर पर आरक्षण का लाभ पाने के लिए यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के लिए अपने आवेदन में 'गलत जानकारी प्रस्तुत करने' का आरोप लगाया गया है। इसके बाद यूपीएससी ने 31 जुलाई को खेडकर की उम्मीदवारी रद्द कर दी थी और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं में हिस्सा लेने से भी रोक दिया था।

बृजभूषण सिंह के बयान पर बजरंग पुनिया ने किया पलटवार

नई दिल्ली (आभा)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पुनिया ने शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह की आलोचना की। साथ ही साथ विनेश फोगाट के चुनाव लड़ने के फैसले को भी सही ठहराया है। बजरंग पुनिया ने फोगाट के चुनाव लड़ने पर कहा कि हमने तय किया था कि हममें से केवल एक ही चुनाव लड़ेगा और वह चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं विनेश के साथ खड़ा हूं...मैं संगठन में काम करूंगा और हाईकमान द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निभाऊंगा।

पहलवानों के पार्टी में शामिल होने के बाद कांग्रेस समर्थित विरोध प्रदर्शन के आरोपों को लेकर बजरंग पुनिया ने कहा कि हमें धरने पर क्यों बैठाया गया? वे कौन थे? कांग्रेस पार्टी का या किसी और का? उस समय हमारा राजनीति से कोई लेना–देना नहीं था। हमने शुरू में अपने मंच पर किसी भी राजनेता को अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि नैरेटिव सेट करना उनका काम है...

नेशनल न्यूट्रीशन वीक का समापन

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को जीवीएम कान्वेंट स्कूल में सप्ताह भर चलने वाले स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम 'नेशनल न्यूट्रिशन वीक' का समापन हुआ एवं 'वॉटर एंड स्पाइसेज डे' भी मनाया गया। इस अवसर पर विज्ञान के शिक्षकों ने बच्चों को भोजन में स्पाइसेज एवं वाटर और उनसे होने वाले लाभ की जानकारी दी । बच्चों ने न्यूट्रिएंट्स पर आधारित मॉडलों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि किसान इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मनोज सिंह जी एवं विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया । प्रदर्शनी में जूनियर वर्ग में अब्दुल सुफियान प्रथम आकृति एवं ग्रुप एवं अंशु और ग्रुप द्वितीय तथा शशाश्वत और ग्रुप एवं शुभी और ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया सीनियर वर्ग में रोम्मान प्रथम मानसी और ग्रुप उम्मामा एवं आराध्या एंड ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा शिवा एंड ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर राकेश राजेश शैलेंद्र सुधांशु रिचा मनीष रुबीना हिना सुधीर विजय सावित्री समेत शिक्षक उपस्थित रहे।

पंकज कुमार चौधरी के अवर अभियन्ता पद पर चयन से प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती गनेशपुर नगर पंचायत क्षेत्र के दक्षिण द्वारा निवासी सत्य प्रकाश चौधरी के पुत्र पंकज कुमार चौधरी का अवर अभियन्ता पद पर चयन हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों उन्हें नियुक्ति पत्र लखनऊ में मिला। पंकज कुमार चौधरी की सफलता से परिवार में प्रसन्नता का माहौल है। उनकी प्राथमिक शिक्षा परिषदीय विद्यालय गनेशपुर में हुई। हाई स्कूल, इण्टर मीडिएट किसान इण्टर कालेज और पालटेक्निक बस्ती से किया। उनके पिता सत्य प्रकाश चौधरी सिंचाई विभाग के प्रशासनिक अधिकारी पद से सेवा निवृत्त है। पंकज अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, परिजनों, गुरूजनों को देते हैं। उनकी सफलता पर माता श्रीमती मानती देवी, भाई डा. राजेश चौधरी, हरि प्रकाश, गोमती प्रसाद चौधरी, रंजीत वर्मा, डा. वी.के. वर्मा, अशर्फीलाल गुप्ता, डा. आलोक रंजन, आर.के. सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

शिक्षा में योगदान के लिये अनिता सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षक दिवस समारोह में कमपोजिट विद्यालय डारीडीहा बस्ती सदर को बेहतर शिक्षण और स्कूल प्रबन्धन को चुना गया। इसके लिए स्कूल की प्रभारी श्रीमती अनिता दिवेदी को सम्मान पत्र, शील्ड और शाल भेट कर सम्मानित किया जाय।

सम्मानित होने पर श्रीमती अनिता दिवेदी ने कहा कि पूरा सेहरा सहयोगी शिक्षक सरोज सिंह, सुनीता गोस्वामी, शिल्पी पाण्डेय, गरिमा मिश्र, रोमी सिंह, नूरीन फातिमा, शिवांगी सिंह को है। उन्होने कहा कि शिक्षा मित्र प्रतिभा मौर्य, स्वर्णिमा चौधरी, वन्दना मिश्र, राम चन्द्र के साथ ही अनुदेशक उर्वशी पांडेय, विभा देवी का योगदान भी सराहनीय रहा है। श्रीमती अनीता ने गत वर्ष अक्टूबर में स्कूल का प्रभार सम्भाला। इस दौरान अनेक चुनौतियो का सामना करते हुए स्कूल के भवन का कायाकल्प करने, बिजली, पानी, सफाई आदि को बेहतर बनाया। उन्होने बी एस ए अनूप कुमार और बी ई ओ सदर विनोद कुमार त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन के प्रति आभार जताया है ।

स्कूलों में गणपति महोत्सव की धूम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को दिल्ली पब्लिक सीनियर स्कूल तथा यूरो किड्स पचपेड़िया रोड शाखा विद्यालय में गणेश चतुर्थी के अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अमरमणि पांडेय और प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चना पाण्डेय द्वारा गणेश जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप–प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । छात्रों ने इस अवसर पर भगवान गणेश जी के जीवन से जुड़ी कहानियाँ और नाट्य मंचन किया । विद्यालय मे चित्रकला प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगता का आयोजन किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

विद्यालय के निदेशक अमर मणि पांडेय व प्रधानाध्यापिका श्रीमती अर्चना पाण्डेय ने छात्रों को भगवान गणपति के बारे में जानकारी दी। विद्यालय की शैक्षणिक समन्वयक श्रीमती दिव्या पाठक एवं विद्यालय के सहयोगी शिक्षक के.बी.श्रीवास्तव अविनाश पांडेय, राम आशीष सर, नीलम चौधरी, लक्ष्मी वर्मा ऋचिका सिंह, पूजा शुक्ला, अंकिता श्रीवास्तव, संजू सिंह, प्रिया श्रीवास्तव, रिया सिंह, सुमन गुप्ता, संस्कृति श्रीवास्तव, आराध्या सिंह, सिदरा फातिमा दिव्या जायसवाल और अवनी गुप्ता ने योगदान दिया ।

सम्पूर्ण समाधान दिवस: 42 मामलों में 2 निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील हर्रैया में सम्पन्न हुआ, जिसमें जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा समय से निस्तारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने राजस्व वादों के निस्तारण हेतु कानूनगो एवं लेखपाल को निर्देशित किया कि विवादित स्थल पर पहुँचने से पहले फरियादियों को अवगत कराते हुए दोनों पक्षों को गम्भीरतापूर्वक सुनें तथा सुनने के पश्चात् गुणवत्तापूर्ण एवं निष्पक्षता के साथ वादों का निस्तारण करें। निस्तारण में किसी प्रकार की कोई समस्या होती/आती है, तो तत्काल अपने उच्चाधिकारी को बताये तथा उनको भी अवगत करायें।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने भी आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना। उन्होने पुलिस अधिकारियों व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि फरियादियों की समस्याओं का त्वरित व निष्पक्षता के साथ उनके विवादों का निस्तारण किया जाय। उप जिलाधिकारी हर्रैया विनोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 52 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग के 21, पुलिस के 07, विकास के 08, विद्युत के 05, समाज कल्याण के 03 तथा अन्य के 08 मामलें आये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. रमाशंकर दुबे, जिला विकास अधिकारी अजय सिंह, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी राजेश त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, डीपीआरओ रतन कुमार, बीएसए अनूप कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अंकुर वर्मा तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

गोदाम की बिल्डिंग गिरी, चार की मौत, 24 घायल

लखनऊ (आभा)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में मौजूद एक बिल्डिंग अचानक से भरभराकर गिर गई। है। पिलर पर निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरते ही पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गई। बताया जाता है कि इस बिल्डिंग में कई दवा कंपनियों के गोदाम भी मौजूद थे। हादसे के दौरान कई मजदूर गोदाम में मौजूद थे जो मलबे में दबे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। अब तक 28 लोगों को निकाला जा चुका है, जिसमें से चार लोगों की मौत हो

चुकी है। बाकी 24 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार शहीद पथ से चंद कदम दूर स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार की शाम को एक बिल्डिंग अचानक से भर भराकर गिर गई। माना जा रहा है कि बिल्डिंग के आसपास काफी तादाद में पानी भरा है। पानी भरे रहने के कारण बिल्डिंग की नींव कमजोर पड़ गई। बिल्डिंग का रखरखाव भी लंबे समय से नहीं हो रहा था। इस वजह से बिल्डिंग गिरी है। बिल्डिंग के मलबे में कार और ट्रक भी दब गए। इसके अलावा कई मजदूर भी मलबे में दब गए। बिल्डिंग गिरने के बाद आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। फिलहाल राहत बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई ।

सपा के मासिक बैठक में संगठन की मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में तहसील, ब्लाक और बूथवार सक्रियता पर जोर देते हुये वक्ताओं ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सपा के नीति, कार्यक्रमों को जनता तक ले जांय और उनकी समस्याओं का प्रभावी निराकरण कराने की पहल करें।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे निरन्तर जनता के बीच बने रहें और उनकी समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें। कहा कि दवाई, पढाई, विकास के मोर्चो पर अपने–अपने क्षेत्रों में निरन्तर संघर्ष को जारी रखने के साथ ही पदाधिकारी, और कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में पार्टी की मजबूती में जुट जाय। कहा कि जिलाध्यक्ष और विधायक के रूप में उनके स्तर पर जितना संभव होगा हर स्तर पर न्याय दिलवाने में योगदान निरन्तर किया जा रहा है।

सपा की मासिक बैठक में विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व मंत्री श्रीपति सिंह, वरिष्ठ नेता दयाशंकर मिश्र, जमील अहमद, मो. स्वालेह, जावेद पिण्डारी, मो. सलीम आदि ने पार्टी की मजबूती के साथ ही समाजवादी विचारधारा से जन मानस को जोड़ने और जमीनी धरातल पर सेवा पर जोर दिया।

बैठक में अरविन्द सोनकर, गुलाम गौस, कक्कू शुक्ल, राजेन्द्र यादव, फौजदार यादव, भोलू, रजनीश यादव, राजदेव, जुवेदा खातून, संजय कुमार गौतम, आर.डी. निषाद, जोखूलाल, रामसिंह यादव, राम प्रकाश चौधरी, रिन्टू यादव, प्रशान्त यादव, मो. हारिश, विशाल सोनकर, अकबर अली, निसार अहमद, रजवन्त यादव, गौरीशंकर के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चौधरी के छोटे भाई मुन्ना चौधरी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शिक्षा में सुधार के लिये मेधा ने शुरू किया जागरूकता अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । निजी स्कूलों से 6 वर्ष से 14 वर्ष के गरीब छात्रों को निःशुल्क प्रवेश दिये जाने, कोराना काल में घोषित फीस को वापस किये जाने, प्रति वर्ष किताब, ड्रेस बदल दिये जाने, प्रति वर्ष प्रवेश शुल्क लिये जाने आदि के विरोध में मेधा प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी के संयोजन में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को दीन दयाल तिवारी ने भानपुर के अधिवक्ताओं के बीच सम्पर्क कर अभियान के लिये सहयोग मांगा।

अधिवक्ताओं से बातचीत में मेधा प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा के सवाल पर संघर्ष जारी है और इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। इस वर्ष से गरीब छात्रों को निजी स्कूलों में नियमानुसार 25 प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कर आर्थिक शोषण बंद कराने के सवाल पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होने इस संघर्ष में अधिवक्ताओं के साथ ही समाज के प्रबुद्ध वर्ग और अभिभावकों से सहयोग मांगा। कहा कि फीस भरपाई और वजीफा शत प्रतिशत कराने, वंचितों को हक दिलाने की मांग को लेकर मेधा का संघर्ष जारी है।

मेधा द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान में मुख्य रूप से विनोद पाण्डेय एडवोकेट, अंकेश पाण्डेय, शिवाजी पाण्डेय, सूरज पाल, प्रमोद यादव, राजेश पाण्डेय, उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', राहुल तिवारी, रूद्र आदर्श पाण्डेय, नागेन्द्र मिश्र आदि शामिल रहे।

सामाजिक, राजनीतिक प्रगति के लिये एकजुट हों नाई समाज के लोग–राजमणि शर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को राष्ट्रीय नाई महासभा की बैठक अध्यक्षता राम प्रवेश की अध्यक्षता में मुण्डेरवा नगर पंचायत क्षेत्र के लोहदर में सम्पन्न हुई।

–राष्ट्रीय नाई महासभा प्रदेश अध्यक्ष का फूल मालाओं के साथ स्वागत
–कुरितियों से मुक्ति, शिक्षा पर जोर

बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजमणि शर्मा ने कहा कि नाई समाज को सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक स्तर पर अपनी मजबूती सिद्ध करना होगा। एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। राजमणि शर्मा ने कहा कि अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दें क्योंकि शिक्षा ही वह मार्ग है जिससे विकास के द्वार खुलेंगें। कहा कि अंधविश्वास, कुरीतियों और नशे के चंगुल से समाज को बाहर निकलना होगा। राजेश ठाकुर, डा. कैलाश चन्द्र शर्मा ने बैठक में महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

आयोजक एवं राष्ट्रीय नाई महासभा जिलाध्यक्ष इंजीनियर संजय शर्मा ने अतिथियों के स्वागत के साथ ही आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि समाज में जागरूकता के लिये महासभा द्वारा समय–समय पर कार्यक्रम चलाये जाते हैं। इस अवसर पर महासभा पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष राजमणि शर्मा का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मधुबाला शर्मा, सुशीला देवी, सुबाष ठाकुर, अशोक कुमार, विजय ठाकुर, रमेश शर्मा, बहरइची प्रसाद, बबलू शर्मा, व्यास मणि शर्मा, हरिशंकर शर्मा, संजय सिंह पटेल, मोहम्मद तौफीक, त्रिजोगी प्रसाद, रामतौल शांत, कृष्ण मुरारी शर्मा, अंगद शर्मा, उमाशंकर, लालमणि,पिंटू शर्मा, प्रदीप शर्मा, राजू शर्मा भारत लाल, महेश शर्मा, अरुण, शैलेश ठाकुर, डॉ जी. पी. नंद,सुनील कुमार, रामचंद्र के साथ ही स्थानीय नागरिक एवं महासभा से जुड़े लोग मौजूद रहे।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 सितम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

राजनीति के अजब खेल

हरियाणा में आयराम, गया राम का खेल चरम पर है और भाजपा को उसके अपने ही आंख दिखा रहे हैं ऐसे में भाजपा के चाणक्य स्थितियों को अनूकल करने में कितना सफल होंगे इसके लिये इंतजार करना होगा।राजनीति भी अजब खेल है। दशकों तक हरियाणा में सत्ता–राजनीति के केंद्र रहे तीनों चच्चत लालों यानी बंसीलाल, देवीलाल और भजनलाल के परिवार इस विधानसभा चुनाव में हाशिए पर हैं। एक नवंबर, 1966 को पृथक राज्य बने हरियाणा की राजनीति में दशकों तक इन 3 लालों की तूती बोलती रही। तब उन लालों के बिना कोई भी दल हरियाणा में राजनीति करने की सोच भी नहीं सकता था, पर अब जबकि हरियाणा के मतदाता अपनी नई विधानसभा और सरकार चुनने के लिए 5 अक्तूबर, 2024 को वोट डालने जा रहे हैं तो उन लाल परिवारों के परिजन सत्ता–राजनीति की मुख्य धारा से दूर हाशिए पर नजर आ रहे हैं।

बेशक तीनों लालों ने अपनी राजनीति की शुरूआत कांग्रेस से ही की थी, लेकिन तीनों ने ही कांग्रेस छोड़ी भी। तथ्य यह भी है कि पिछले 10 साल से हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा देवीलाल और बंसीलाल के दल के साथ गठबंधन कर राजनीति करती रही, लेकिन पिछले एक दशक में तीनों ही लाल परिवार उसका कमल थामे नजर आए। चौधरी बंसीलाल इंदिरा गांधी के समय बड़े नेताओं में गिने जाते थे। इंदिरा के चर्चित बेटे संजय गांधी के भी वह करीबी रहे। बंसीलाल केंद्र में मंत्री रहने के अलावा 3 बार हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रहे। उन्हें 'आधुनिक हरियाणा का निर्माता' कहा जाता है। तीसरी बार वह अपनी अलग हरियाणा विकास पार्टी (हविपा) बना कर भाजपा से गठबंधन में चुनाव जीत कर मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के चलते बंसीलाल सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। 2004 में बंसीलाल और उनके बेटे सुरेंद्र सिंह ने हविपा का कांग्रेस में विलय कर दिया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में 2005 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर सुरेंद्र सिंह मंत्री भी बनाए गए।

एक हेलीकाप्टर दुर्घटना में सुरेंद्र सिंह की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी किरण चौधरी ने परिवार की राजनीतिक विरासत संभाली, जो उससे पहले दिल्ली में कांग्रेस की बड़ी नेता थीं। किरण हरियाणा में मंत्री बनाई गईं और उनकी बेटी श्रुति चौधरी लोकसभा सांसद। हरियाणा में गैर–कांग्रेसी राजनीति की धुरी बने देवीलाल सबसे ज्यादा पांच बार मुख्यमंत्री रहे, पर उनका कार्यकाल कभी लंबा नहीं रहा। जनसंघ और भाजपा से उनके अच्छे रिश्ते रहे। दोनों ने गठबंधन सरकार भी चलाई। 'ताऊ' के संबोधन से लोकप्रिय देवीलाल देश के उप–प्रधानमंत्री भी बने। देवीलाल के बेटे ओमप्रकाश चौटाला, जो उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी बने, ने भी भाजपा के साथ गठबंधन सरकार चलाई। उसी कार्यकाल में दोनों में तल्खियां बढ़ीं और रास्ते अलग हो गए। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के टकराव में 2018 में चौटाला परिवार और उसकी पार्टी इनैलो टूटी तो बड़े बेटे अजय सिंह चौटाला ने जननायक जनता पार्टी (जजपा) बना ली। 2019 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से वंचित रह गई तो 10 विधायकों वाली जजपा से गठबंधन हुआ और देवीलाल की चौथी पीढ़ी के दुष्यंत चौटाला उप मुख्यमंत्री बने।

भजनलाल 3 बार हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे। पहली बार 1979 में, दूसरी बार 1982 में और तीसरी बार 1991 में। भजनलाल केंद्र में मंत्री भी रहे। राजनीतिक जोड़–तोड़ के मामले में उन्हें 'पी.एच.डी.' कहा जाता था। केंद्र में नरसिम्हा राव सरकार को अल्पमत से बहुमत में बदलने में उनकी भूमिका की अक्सर चर्चा होती है। उनके दोनों बेटे चंद्रमोहन और कुलदीप बिश्नोई राजनीति में हैं। चंद्रमोहन कांग्रेस में हैं, जबकि अलग पार्टी हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजकां) बना कर फिर कांग्रेस में लौटने के बाद कुलदीप अब भाजपा में हैं। 2005 में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मुख्यमंत्री बनने से पहले तक हरियाणा की राजनीति इन्हीं 3 लाल परिवारों के इर्द–गिर्द घूमती रही, पर उसके बाद इनका दबदबा कम होता गया। 'चौथे लाल' के रूप में हरियाणा की सत्ता संभालने वाले मनोहर लाल के कार्यकाल ने तो हालात यह बना दिए कि कल तक जो परिवार हरियाणा की राजनीति की दिशा तय करते थे, आज उनके परिजनों का राजनीतिक भाग्य दूसरे दल और नेता तय कर रहे हैं। जो परिवार हरियाणा में लोगों को नेता बनाते थे, आज उनकी राजनीति अपने लिए टिकट की जोड़–तोड़ तक सिमट कर रह गई है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा से लंबी तनातनी के बाद किरण चौधरी को आखिरकार भाजपा की शरण में जाना पड़ा, जिसने उन्हें राज्यसभा सांसद बनाने के बाद अब बेटी श्रुति चौधरी को तोशाम से विधानसभा का टिकट भी दे दिया है। भजनलाल के बड़े बेटे चंद्रमोहन की राजनीति पंचकूला और कालका विधानसभा सीट तक सिमट कर रह गई है। छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई का पूरा ध्यान बेटे भव्य को राजनीतिक रूप से स्थापित करने पर है। बहुत कोशिशों के बावजूद वह न तो भव्य को मंत्री बनवा पाए और न ही खुद राज्यसभा सांसद बन पाए। ओमप्रकाश चौटाला अपने छोटे बेटे अभय के साथ मिल कर इनैलो चला रहे हैं तो बड़े बेटे अजय अपने दोनों बेटों दुष्यंत और दिग्विजय के साथ मिल कर जजपा। देवीलाल के ही बेटे रणजीत सिंह चौटाला तो पिछली बार रानिया से निर्दलीय विधायक बन कर पहले मनोहर लाल और फिर नायब सिंह सैनी सरकार में मंत्री भी रहे। जाहिर है, इन चुनावों में तीनों ही लाल परिवारों को अपनी राजनीति बचाने के लाले पड़े हैं।

सम्पूर्ण साक्षरता का लक्ष्य हासिल करने का यक्ष प्रश्न

–पूरन चंद सरीन–

कटु सत्य यह है कि स्वतंत्रता प्राप्त करने से लेकर अब तक जितने भी दलों की सरकारें आई हैं और प्रधानमंत्री बने हैं, किसी की भी पूरे मन से इस बात में रुचि नहीं रही कि भारत संपूर्ण साक्षरता का लक्ष्य हासिल कर सके। यही नहीं चाहे कोई भी विपक्षी पार्टी हो, किसी ने भी इस बात की न तो गंभीरता समझी और न ही इसके लिए ईमानदारी से प्रयास किया कि देश विश्व में अपनी वास्तविक पहचान तब ही बना सकता है जब पूरा देश शिक्षित हो। यही विडंबना है आज इसे जानना आवश्यक है।

सच से सामना –हमारे देश की लगभग एक चौथाई से अधिक आबादी को पढ़ना–लिखना नहीं आता। महिलाओं की स्थिति तो यह है कि आधी से अधिक आज भी निरक्षर हैं। यह बात गांव, देहात और दूर–दराज के क्षेत्रों में ही नहीं नगर और महानगरों में भी सच है कि बहुत बड़ी आबादी के लिए काला अक्षर भैंस बराबर है, वे मामूली हिसाब–किताब के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं, अपने शोषण को कृपा मानते हैं और फटकार से लेकर अपने साथ मारपीट होने तक को नसीहत समझते हैं। बिना अपनी गलती जाने अमानवीय व्यवहार झेलते हैं और अगर कहीं जुबान से चूं भी निकल गई तो कहर का सामना करते हैं। कुछ नहीं कर सकते क्योंकि कोई चाहता ही नहीं कि वे निरक्षरता की दलदल से बाहर निकलें। इसके अतिरिक्त जब स्थिति यह हो कि नेतागिरी शुरू करने से लेकर विधायक, सांसद, मंत्री और मुख्यमंत्री तक बिना किसी प्रकार की शैक्षणिक योग्यताओं के बना जा सकता है तो फिर कौन पढने–लिखने में अपना वक्त बर्बाद करे।

तुर्रा यह कि उच्च शिक्षित अधिकारी से लेकर पुलिस बल तक इनके सामने सिर झुकाए खड़े रहते हैं और इनकी हर उस आज्ञा का पालन करते नजर आते हैं जिसका न तो तर्क होता है और न ही सिर–पैर, बस हुक्म बजाना होता है। अब कोई भी नेता, चाहे किसी भी दल का हो, कभी नहीं चाहता कि उन लोगों की गरीबी दूर हो जो उनका वोट बैंक हैं, उन्हें नासमझ बनाए रखने में ही उसकी भलाई है क्योंकि उनका इस्तेमाल तोड़–फोड़, दंगा–फसाद, नारेबाजी, बेमतलब आंदोलन और अफरा–तफरी फैलाने में जो करना होता है। रैलियों में जुटाई गई भीड़ में किसी से भी पूछ लीजिए कि वे किस बात पर धरना प्रदर्शन, पोस्टरबाजी या ऐसी ही ऊल–जलूल हरकत कर रहे हैं तो अधिकांश यही कहते मिलेंगे कि नेताजी की खातिर आए हैं, पैसे भी मिलेंगे, आना–जाना, खाना–पीना सब मुफ्त और सैर–सपाटा अलग से और क्या पता कल को वे खुद इस धंधे में आ जाएं क्योंकि हींग लगे न फटकरी, रंग चोखा होने की पूरी गारंटी।

पक्ष–विपक्ष की चालबाजी – चलिए एक और वास्तविकता से परिचित कराते हैं। देश के विपक्ष में बैठे नेता कहते हैं कि जिस जाति की जितनी संख्या होगी, उसकी देश के संसाधनों पर उतनी ही भागीदारी होगी। वे जानते हैं कि जिस तबके की बात कर रहे हैं वह तो अधिकतर निरक्षर है या मामूली पढ़ा–लिखा है, निर्धन और साधनहीन है, परंतु यदि उनकी चाल कामयाब हो गई तो विभिन्न जातियों के नाम पर मिले संसाधनों को स्वयं और अपने दल द्वारा भोगे जाने की पूरी छूट मिल जाएगी। वे कभी नहीं कहते कि जातियों की संख्या के आधार पर शिक्षा सुविधाओं का बंटवारा हो, स्वास्थ्य सेवाओं का मिलना सुनिश्चित हो, व्यापार और रोजगार की नीतियां उनकी जाति की विशेषताओं और कार्यकुशलता को ध्यान में रखकर बनें और अमल में लाई जाएं।

वे यह भी नहीं कहते कि इन जातियों की गरीबी और साधनों के न होने के कारण उपजी समस्याओं को समाप्त करने के लिए उनकी गणना होनी चाहिए। हंसी आती है जब कोई यह कहता है कि सरकारी पदों पर बैठे लोगों में कौन–सी जाति के कितने लोग हैं। उनकी नजर में योग्यता नहीं बल्कि अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए जातपात महत्वपूर्ण है।उदाहरण से समझिए कि जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी, बहुजन समाज या भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बनती रही हैं तो सबसे पहला काम यह होता है कि अपने परिवारों और दलों से उन लोगों को नियुक्त किया जाए जो उनके इशारों पर काम करें, पैसा जुटाएं और सरकारी खजाने में सेंध लगाने में माहिर हों।

इसी तरह दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में भी कमोबेश यही स्थिति है और ये ही राज्य क्यों, सभी प्रदेशों में अलग–अलग रूपों में भाई भतीजावाद अपने चरम पर है। इसका सबसे बड़ा कारण विशाल जनसंख्या को निरक्षर बनाए रखने की नीतियों का पालन करना है। शिक्षा सुविधाओं को इतना सीमित कर देना है कि अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली की भांति केवल सरकारी बाबू बनते रहें, उनकी बौद्धिक क्षमता, मानसिक कार्य कुशलता और शारीरिक शक्ति का उपयोग जी हुजूरी तक सीमित रहे।

बालिकाओं को आज भी पढ़ने से रोका जाता है क्योंकि उन्हें तो सिर्फ चूल्हा–चौका करना तथा बच्चे पैदा कर और उसमें भी लड़के की परवरिश करनी है। लड़कों के मामले में बस इतना कि वे छोटी–मोटी नौकरी के लायक हो जाएं, खेतीबाड़ी या घर का काम–धंधा करने लगें, मोबाइल चला लें और इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकें। एक तो महंगे शिक्षा संस्थान जो किसी सजी दुकान की तरह होते हैं, उनमें प्रवेश की हिम्मत जुटा पाना आसान नहीं होता। प्रतियोगी परीक्षाओं का कारोबार करने वालों की असलियत कौन नहीं जानता। नकल और रिश्वत का बोलबाला इसीलिए है कि संपूर्ण साक्षरता की कोई व्यावहारिक नीति ही नहीं है। हम जिस डैमोग्राफिक डिविडैंड की चर्चा करते हैं, क्या कभी उसकी आकांक्षाओं और सपनों को पूरा करने के बारे में देशव्यापी सार्थक बहस छिड़ी है, कभी नहीं!

बीच बहस में एक देश, एक चुनाव

–शैलेश कुमार–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बड़ी सफलता मिलती दिखाई दे रही है। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि एन.डी.ए. के सहयोगी दल जे.डी.यू., तेलुगू देशम पार्टी और एल.जे.पी. (राम बिलास) 'एक देश–एक चुनाव' और 'धर्म निरपेक्ष नागरिक संहिता' पर सहमत हो गए हैं। जाति जनगणना पर भी सहमति बनती दिखाई दे रही है। मतलब साफ है कि भाजपा 2029 के लोकसभा चुनावों के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए नया कानून ला सकती है। एक देश–एक चुनाव' निश्चित तौर पर एक अच्छी धारणा है। संभव हो तो पंचायतों और नगर परिषदों के चुनाव भी एक साथ ही हो जाएं तो लोकतंत्र के लिए और अच्छी बात होगी। इससे चुनाव के भारी–भरकम खर्च में कमी आएगी। समय की बचत होगी। बार–बार चुनाव के काम में लगा दिए जाने वाले कर्मचारियों को अपना काम करने का अधिक मौका मिलेगा। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को भी चुनाव पर अधिक खर्च नहीं करना पड़ेगा। इसके चलते राजनीतिक भ्रष्टाचार पर भी थोड़ा बहुत अंकुश लग सकता है। 'एक देश–एक चुनाव' कोई नई बात नहीं है। आजादी के बाद 1952 से 1967 तक लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते थे। समस्या 1967 के बाद शुरू हुई। इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को लोकसभा में तो बहुमत मिल गया लेकिन बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला।

चुनाव पर बढ़ता खर्च रू पिछले 5 वर्षों में चुनाव का बढ़ता खर्च देश की अर्थव्यवस्था पर बोझ बनता जा रहा है। सैंटर फॉर मीडिया स्टडीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक आजादी के बाद 1952 में देश के चुनाव पर साढ़े 10 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। तब लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे। 2019 में लोकसभा और आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए जिस पर करीब 50 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए। 2024 में ये खर्च बढ़कर करीब 1 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है। जाहिर है कि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते तो लगभग इसी खर्च में दोनों अनुष्ठान पूरे हो जाते। लोकसभा के चुनाव का खर्च केंद्र सरकार और विधानसभा चुनाव का खर्च राज्य सरकार देती है। दोनों चुनाव एक साथ होने पर खर्च दोनों में बंट जाता है। विधानसभाओं के चुनाव अलग–अलग होने से सरकारी तंत्र, मंत्री और राजनीतिक दल हमेशा चुनाव की तैयारी में व्यस्त नजर आते हैं।

प्रधानमंत्री और भाजपा सभी चुनावों को एक साथ कराने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्षी दल एक साथ चुनाव पर सहमत नहीं हैं। खास कर क्षेत्रीय पार्टियों को डर है कि एक साथ चुनाव होने पर सत्ता उनके हाथ से निकल जाएगी। विपक्ष का ये डर बहुत तार्किक नहीं लगता है।

सरकार नहीं चली तब क्या होगा? रू केंद्र सरकार के लिए लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना मुश्किल नहीं है। संविधान की धारा 356 के जरिए विधानसभाओं को भंग करके एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। इसका उपयोग कई बार हो चुका है। 1977 में जनता पार्टी की सरकार केंद्र में आई तो कांग्रेसी राज्य सरकारों को इसी धारा का उपयोग करके भंग कर दिया गया और राज्यों में विधानसभा के चुनाव कराए गए। 1980 में कांग्रेस केंद्र में लौटी तो राज्यों में जनता पार्टी की सरकारों को भंग करके चुनाव कराए गए। किसी राज्य विधानसभा या लोकसभा का मध्यावधि चुनाव कराने की नौबत आ जाए तो क्या होगा? क्या फिर सभी विधानसभाओं और लोकसभा के एक साथ चुनाव कराए जाएंगे? इसे तर्कसंगत नहीं कहा जा सकता है। एक देश–एक चुनाव के नाम पर केंद्र सरकार को राज्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप का अधिकार फिर से देना राज्यों की स्वायत्तता को खत्म करने जैसा होगा।

जरूरी है राजनीतिक सुधार – देश में राजनीतिक दलों की भीड़ बढ़ती जा रही है। राज्यों में नए नेता उभर रहे हैं। लोकतंत्र के लिए यह एक शुभ संकेत है। लेकिन क्षत्रप नेताओं की महत्वाकांक्षा एक बड़ी समस्या भी है, जिसके चलते सरकारें 5 साल का समय पूरा नहीं कर पाती हैं। एक देश –एक चुनाव लागू करने पर इस समस्या से कैसे निपटा जाएगा इसका कोई ब्लू प्रिंट अब तक सामने नहीं आया है। प्रधानमंत्री को यह साफ करना होगा कि पूरे कार्यकाल तक सरकार नहीं चलने पर क्या होगा? एक तरीका ये हो सकता है कि लोकसभा या विधानसभा का कार्यकाल 5 साल पूरा नहीं होने पर सिर्फ बचे हुए कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव कराए जाएं। लेकिन दूसरी बार भी किसी पार्टी या गठबंधन को बहुमत नहीं मिले और सरकार फिर नहीं चले तब क्या होगा? एक रास्ता यह भी हो सकता है कि उम्मीदवारों को वोट देने की जगह पार्टियों को वोट देने की व्यवस्था शुरू की जाए। इस प्रणाली में पार्टी को जितने प्रतिशत वोट मिलें उस हिसाब से उसके उम्मीदवारों को लोकसभा और विधानसभा में सीटें दे दी जाएं। वोट प्रतिशत के हिसाब से ही पंचायतों और नगर निकायों में भी सीटें तय की जा सकती हैं। इस पर भी राजनीतिक दलों में सहमति आसान नहीं है।

जलवायु परिवर्तन की अनदेखी का खतरा

–ऋतुपर्ण दवे–

जलवायु परिवर्तन के लिए जितने भी ज्ञात और चर्चित कारण हैं, उनमें अब नाइट्रोजन भी एक नया नाम बन गया है। ऐसा लगता है कि लंबे समय तक इस पर वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने ध्यान नहीं दिया। सिंथेटिक उर्वरकों के उपयोग, अपशिष्ट जल के निर्वहन और जीवाश्म ईंधन के दहन से बढ़ता नाइट्रोजन का प्रभाव एक बड़ा खतरा है। यह भूमि, जल और वायु को प्रदूषित कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है और ओजोन परत को भी नुकसान पहुंचाता है।

दरअसल, इस सच्चाई तक पहुंचने में साक्ष्य, प्रमाण और वास्तविकताओं से तालमेल बिठाने में लंबा समय लगा। अब खेती–किसानी से लेकर पशुपालन में इसके भरपूर उपयोग को जलवायु परिवर्तन का उतना ही दोषी माना जा रहा है जितना मानव जनित कॉर्बन डाइऑक्साइड और मीथेन को। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के बारे में हालिया प्रकाशित फ्रंटियर्स रिपोर्ट बेहद चौंकाती है। साल 2018–2019 में तमाम अध्ययनों के बाद जारी चेतावनी में नाइट्रोजन प्रदूषक को खतरनाक बताया गया। लेकिन वैज्ञानिक अब भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। यह ऐसा मिश्रण बनकर सामने आया जो स्वास्थ्य, जलवायु तथा पारिस्थितिक तंत्र यानी ईको सिस्टम के लिए खतरनाक साबित हुआ। इससे जल–वायु दोनों की गुणवत्ता के साथ ग्रीन हाउस गैस संतुलन भी बेहद प्रभावित हुआ। इसने पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। नाइट्रिक ऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के अलावा खेतों से उत्सर्जित अमोनिया भी इकोसिस्टम में पहुंच, दूसरी रासायनिक क्रियाओं के मेल से अम्लीय वर्षा तक के लिए जिम्मेदार दिखा। एयरकंडीशनर और फ्रिज में भरी जाने वाली गैस हाइड्रोफ्लोरोकार्बन्स यानी एचएफसी गैसें भी नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड यानी 'एफ श्रेणी की बेहद खतरनाक गैसों' में हैं जो पर्यावरण के लिए कितनी खतरनाक है, सर्वविदित है। वैज्ञानिकों ने पर्यावरणीय आंकड़ों के विश्लेषण के बाद जारी हालिया शोध पत्र में कहा कि नाइट्रस ऑक्साइड के उत्सर्जन में हुई भारी वृद्धि खेती–किसानी और पशुपालन गतिविधियों के चलते हुई। लेकिन उतना ही सच यह भी है कि अज्ञानतावश ही इसे रोकने या कम करने कोशिशें नहीं हुईं। जिस तेजी से सिंथेटिक उर्वरकों और पशुपालन में नाइट्रस ऑक्साइड का उपयोग बढ़ा, दबे पांव उतना ही इसने वायुमण्डल को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया।

नारियों पर बढ़ता अत्याचार

–संजीव ठाकुर–

हाय कोलकोता की बेटी मौमिता हम सचमुच शर्मिंदा हैं,हम तुम्हारी रक्षा–सुरक्षा नहीं कर पाए। अभया,निर्भया, मोमिता न जाने कितनी अबोध निर्बल बच्चियां अत्याचार की शिकार होती रहेंगी और हमारा सभ्य पुरुष समाज कैंडल जलाकर सड़कों पर प्रदर्शन कर न्याय की गुहार लगाता रह जाएगा। पुरुष अत्याचार की शिकार बेटियां हम तुम्हारी आत्मा से क्षमा प्रार्थी हैं। स्त्रियों पर पुरुषों के अत्याचार और उनकी सुरक्षा का यक्ष प्रश्न हमारे सामने खड़ा हुआ है। क्या हम उनकी सुरक्षा नहीं कर पाएंगे क्या यूं ही देश में स्त्रियों पर अनवरत अत्याचार होते रहेंगे? देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती है की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरुआत यहीं से होती है।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं बहुत बड़ी हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दर्शाता है। भारत की नारी अपनी स्त्रीष्त्रोने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती। भारतीय समाज अभी भी स्त्रियों को मान्य रूप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। वह अभी भी स्त्री को अबला एवं विज्ञापन का एक अच्छा जरिया मानता है, स्त्रियों को आज भी पुरुष विहीन समाज किसी भी तरह ग्राह्य एवं मान्य नहीं है। भारतीय संदर्भ में नई स्त्री की कल्पना वास्तव में महिलाओं के लिए एक मिथक तथा मृग मरीचिका के रूप में है। स्त्री उत्थान विमर्श के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक होगा की हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति एवं सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तिकरण की जितनी भी अवधारणाएं और नियम कानून बने हैं, वह सब पश्चिम से अनुसरण करके बनाए गए हैं, ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है, इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो एवं स्वतंत्र विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ एवं जानकार हो। कस्बाई तथा झोपड़पट्टी में रहने वाली स्त्रियों को जहां भारत में शिक्षा का अभाव है, ऐसे में उनके लिए जागरूकता लाना अभी भी एक टेढ़ी खीर तथा एक बड़े अभियान चलाने जैसी बात होगी। भारत में जहां 35: स्त्रियां साक्षर नहीं है, ऐसे में नई स्त्री की परिकल्पना केवल पश्चिमी देशों में ही की जा सकती है। भारत में स्वतंत्रता संग्राम से स्त्रियों की सहभागिता रही है, उसके उपरांत पंचायती चुनाव में महिला आरक्षण, संरक्षण,शिक्षा तथा रोजगार में बढ़ती सहभागिता नौकरी पेशा स्त्रियों का मातृत्व सुविधा कार्य के लिए समान वेतन का संघर्ष भारत में स्त्री बेचारी की मानसिकता को सशक्त करते हैं। भारत में नारी सशक्तिकरण एवं नारी समानता के उदाहरण चिकित्सा, तकनीकी, विधि विधाई, शिक्षा जगत, सेना तथा सरकारी नौकरी में दिखाई तो देते हैं, पर यह स्त्रियों की संख्या उनकी जनसंख्या के अनुपात में अत्यंत ही न्यून है। भारत में स्त्री समानता के लिए भारतीय समाज, सरकार, राजनेताओं, चिंतकों को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण न कर भारत की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तथा धार्मिक पृष्ठभूमि को देखकर उसके अनुरूप स्त्रियों के विकास तथा सशक्तिकरण एवं समानता के लिए सशक्त योजनाएं बनाकर उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी है।

जानवरों से फसल बचाने के लिए खेतों में उतारा था करंट, चपेट में आने से बेटी झुलसी, मां की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के पूरे दिन नामगढ़ में फसल को बचाने के लिए किसान ने खेत में करंट उतारा था। शनिवार को मां के साथ नित्य क्रिया को गई बेटी करंट की चपेट में आ गई जिसे बचाने के प्रयास में मां की मौत हो गई जबकि बेटी झुलस गई जिसे सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची इकौना पुलिस मामले की जांच कर रही है। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पूरेदीनाम गढ़ निवासी रामकरन के घर के सामने कुछ दूरी पर बाग स्थित है। जबकि रास्ते में गांव निवासी ननके तिवारी व ढोड़े यादव का खेत पड़ता है जिसमें उसने गन्ना व धान की फसल लगा रखा है जिसे वनरोज से बचाने के लिए ननके तिवारी ने खेत के चारों तरफ लगे तार के बाड़ में हाईटेंशन लाइन से सीधा करंट उतारा था। शनिवार को रामकरन की पत्नी ममता देवी (35) अपनी पुत्री लक्ष्मी देवी (13) के साथ खेतों में शौच के लिए गई थी। जैसे ही लक्ष्मी तार को पार कर अंदर जाने का प्रयास करने लगी तभी वह करंट की चपेट में आ गई जिसे बचाने के प्रयास में ममता देवी भी करंट की चपेट में आ गई जिससे ममता की मौके पर ही मौत हो गई जबकि लक्ष्मी झुलस गई।

लक्ष्मी की चीख पुकार पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह तार को बाएछ से अलग किया। सूचना पर पहुंची इकौना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेजा है। वहीं, घायल लक्ष्मी को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। इस बारे में प्रभारी थानाध्यक्ष इकौना अश्वनी दुबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस लाइन में हुआ विपश्यना ध्यान शिविर का आयोजन

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस लाइन सभागार में शनिवार को विपश्यना ध्यान शिविर का आयोजन पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व विशिष्ट अतिथि बाबा हरदेव सिंह पूर्व प्रशासनिक ऑफिसर उत्तर प्रदेश रहे। शिविर में आचार्य गोपाल शरण सिंह विपश्यना ध्यान केंद्र श्रावस्ती ने लोगों को ध्यान की विधि बताई और ध्यान कराया।

उन्होंने कहा कि सांस एवं संवेदनाएं दो तरह से मदद करेगी। जैसे ही मन में कोई विकार जागा, सांस अपनी स्वाभाविकता खो देगा। वह हमें बताएगा और हम सांस को डांट भी नहीं सकते। हमें उसकी चेतावनी को मानना होगा। ऐसे ही संवेदनाएं हमें बताएंगी कि कुछ गलत हो रहा है। चेतावनी मिलने के बाद हम सांस एवं संवेदनाओं को देख सकते है। ऐसा करने पर शीघ्र ही हम देखेंगे कि विकार दूर होने लगा। यह शरीर और मन का परस्पर संबंध एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। एक तरफ मन में जागने वाले विचार व विकार हैं और दूसरी तरफ सांस व शरीर पर होने वाली संवेदनाएं हैं। मन में कोई भी विचार या विकार जागता है तो तत्क्षण सांस एवं संवेदनाओं को प्रभावित करता ही है। इस प्रकार, सांस एवं संवेदनाओं को देख कर हम विकारों को देख रहे हैं। हम अभ्यास करते रहें तो उनका सर्वथा निर्मूलन हो जाएगा। वहीं बाबा हरदेव सिंह ने कहा कि इस प्रकार आत्म निरीक्षण की यह विद्या हमें भीतर और बाहर दोनों सच्चाइयों से अवगत कराती है। पहले हम केवल बहिर्मुखी रहते थे और भीतर की सच्चाई को नहीं जान पाते थे। अपने दुख का कारण हमेशा बाहर ढूंढ़ते थे। बाहर की परिस्थितियों को कारण मानकर उन्हें बदलने का प्रयत्न करते थे। भीतर की सच्चाई के बारे में अज्ञान के कारण हम यह नहीं समझ पाते थे कि हमारे दुख का कारण भीतर है। इस मौके पर एसएसबी कमांडेंट 62वीं वाहिनी रवीन्द्र कुमार राजेश्वरी, एएसपी प्रवीण कुमार यादव, आचार्य पुष्पा सिंह, मैनेजर अविनाश पटेल, बाबूराम यादव आदि मौजूद रहे।

चारपाई पर सो रहे बालक को सांप ने काटा, मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। रात में चारपाई पर सो रहे एक बालक को सांप ने काट लिया। परिजनों की ओर से आनन फानन में बालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसे बहराइच रेफर कर दिया गया। बहराइच मेडिकल कालेज ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुर्गापुर केपी के मजरा मुड़कट्टी निवासी शाहिद रजा(10) पुत्र माने शुक्रवार रात में खाना खाकर परिवार के साथ घर में चारपाई पर सोया हुआ था। रात में रेंगते हुए एक जहरीला सांप चारपाई पर चढ़ गया और विस्तर पर सो रहे शाहिद रजा को डस लिया। शाहिद के चिल्लाने पर परिजनों की आंख खुल गई और बालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिनगा ले गए। जहां हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बालक को मेडिकल कालेज बहराइच के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन बालक को लेकर बहराइच मेडिकल कालेज जा रहे थे। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की जानकारी होने पर परिजन शव लेकर घर चले आए और अंतिम संस्कार कर दिया।

गेंदा और ग्लेडियस की खेती से महकेगा किसानों का घर आंगन

संवाददाता–गोंडा। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में फूलों की खेती अहम भूमिका निभा रही है। जिसमें गेंदा और ग्लेडियस जिले के किसानों को खूब भा रहे हैं। सही मौसम में की गई फूल के खेती की पैदावार क्षमता भी अधिक है। किसान गेंदा की खेती कर आंगन को महका सकते हैं। जिसकी खुशबू से आर्थिक सुधार होने से घर में खुशहाली आएगी, जिसके लिए शासन स्तर से भी पहल की जा रही है। इसके साथ ही किसानों को फूल की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत जिले के किसान फूलों की खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। जिले में गेंदा, गुलाब, चांदनी,ग्लेडियस की खेती प्रमुख रूप से की जाती है,हालांकि कई किसान ऐसे हैं जो कई प्रकार के फूलों की खेती को अपना रहे हैं और उससे फायदा भी कमा रहे हैं। शासन की तरफ से जिले को दो फूलों की खेती करने के लिए प्रमुखता से शामिल किया गया है। जिनमें गेंदा और ग्लेडियस के नाम शामिल बताए जा रहे हैं। इसकी खेती करके किसान अपनी जीवन शैली को बदल सकते हैं। फूलों की खेती में किसानों को देखरेख विशेष रूप से करनी पड़ेगी। समय–समय पर फसल को क्या चाहिए। उसकी पूर्ति होनी चाहिए। कब फसल को पानी चाहिए और कब फसल को उर्वरक चाहिए इसके साथ ही फसल को विभिन्न रोगों और कीटाणुओं से बचाने के लिए भी जागरूक रहना पड़ेगा। जिससे फूलों की फसल से अच्छी पैदावार मिल सके। जिले को इस बार गेंदा की खेती के लिए 50 हैक्टेयर का लक्ष्य शासन की तरफ से जारी किया गया है। इसे लूज फूल के नाम से भी जाना जाता है तथा ग्लेडियस को 10 हेक्टेयर क्षेत्रफल का लक्ष्य दिया गया है। इसे कट फूल के नाम से जाना जाता है। इन दोनों फूलों का बीज शासन की तरफ से देने की योजना विभाग के जरिए बनाई गई है। फूलों की खेती करने वाले किसानों के लिए यह अच्छी खबर है कि शासन ने उन किसानों के लिए समय से बीज उपलब्ध कराने का निर्णय ले लिया है।

फूलों की खेती करने वाले किसानों की राय है कि कम लागत में फूलों की खेती करके अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। दर्जी कुआं से थोड़ी दूर पर स्थित कोइली जंगल के रहने वाले सुनील सिंह का कहना है कि उन्होंने शुरू में दो बीघा में गेंदा की खेती की थी, जिससे बेहतर मुनाफा मिलने के बाद में उन्होंने फूलों की खेती का रकबा बढ़ा दिया। आज उनके पास में काफी क्षेत्रफल में फूल की खेती होती है, जिनमें गेंदा, गुलाब, अपराजिता ,ग्लेडियस शामिल है। वजीरगंज क्षेत्र के रहने वाले शिवकुमार मौर्य का कहना है कि फूलों की खेती में मुनाफा अधिक है। लागत कम है। इसलिए किसानों को फूलों की खेती अपनानी चाहिएछ। इसके लिए जरूरी है कि समय से फूल को तैयार होने पर मार्केट पहुंचा दिया जाए।

जिला उद्यान अधिकारी रश्मि शर्मा ने बताया कि जिले में लगभग 40 हैक्टेयर क्षेत्रफल से अधिक में फूलों की खेती अलग–अलग क्षेत्र में हो रही है। किसानों को शासन की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। बराबर कैंप लगाकर जागरुक किया जा रहा है। इसके अलावा बीच–बीच में अभियान चलाकर गांव–गांव किसानों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है। जिससे किसान शासन की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ उठा सके। फूलों की खेती के लिए सबसे पहले किसान खसरा खतौनी के साथ लोकवाणी केंद्र पर जाएं और शासन की ओर से संचालित योजना के तहत जिस फूल की खेती करना चाहते हैं। उसे ऑनलाइन करा दें। इसमें जरूरी यह भी है कि किसान कितने रकबा में किस फूल की खेती करना चाहते हैं। उसको भीऑनलाइन करा दें । जिससे समय से योजना का लाभ किसानों को मिल सके।

पालिका की बोर्ड की बैठक में उठा विकास का मुद्दा

संवाददाता–गोंडा। शनिवार को करनैलगंज नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक चेयरमैन रामलली की अध्यक्षता में सकुशल सम्पन्न हुई। बैठक में चेयरमैन रामलली ने बोर्ड के समक्ष महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश की। जिन पर बोर्ड ने सर्व सम्मति से अपनी मुहर लगा दी। बैठक में प्रस्तुत प्रस्तावों में नगर पालिका द्वारा बनवाई जा रही दुकानें, कूड़ा निस्तारण केंद्र, वार्डों में रास्ता व सड़क निर्माण, पेय जलापूर्ति, पथ–प्रकाश सहित अन्य जनकल्याणकारी मुद्दे प्रमुख रूप से छाए रहे। पिछली बैठक की कार्रवाई की समीक्षा भी की गई। उसके बाद प्रस्तुत प्रस्तावों को बोर्ड की बैठक में उपस्थित सभासदों द्वारा विचार विमर्श के बाद पास कर दिया गया। सभासदों ने नगर के विकास हेतु चेयरमैन का साथ देने का आश्वासन दिया। बैठक में सभी प्रस्तावों को ध्वनिमत से पारित होने पर चेयरमैन ने सभासदों का आभार व्यक्त किया। अधिशासी अधिकारी धनुष धारी सिंह ने बताया कि बोर्ड की बैठक शांति पूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गई। बोर्ड द्वारा पारित प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर मूर्त रूप देने के कार्य में नगर पालिका जुटा हुआ है।

नगर का सुन्दरीकरण करते हुए नगरवासियों की सुविधा को सर्वोपरि रख कर बोर्ड की हर मंशा को जमीन पर उतारने हेतु कोई कसर नहीं छोड़ा जाएगा। बैठक में कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह, करनैलगंज विधायक प्रतिनिधि शंकर प्रताप सिंह गुड्डू सिंह, अध्यक्ष सलाहकार रामजी लाल मोदनवाल, लिपिक आशीष सिंह सहित विभिन्न वार्डों के सभासद आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास के लिए 160 लोगों ने किया आवेदन

संवाददाता–श्रावस्ती। सरकारी योजनाओं से लोगों को लाभांवित करने के लिए गांव में खुली बैठक का आयोजन किया जा रहा है। देवरनिया गांव में खुली बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 160 लोगों ने आवाज योजना के लिए आवेदन जमा किए। विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत देवरनिया स्थित ग्राम पंचायत सचिवालय में शनिवार को ग्राम पंचायत की खुली बैठक का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान जाकिर खां की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और योजनाओं के लिए पात्रता की जानकारी दी गई।

पहलवानों के कांग्रेस में शामिल होने पर हमलावर हुए पूर्व सांसद बृजभूषण

संवाददाता–गोंडा। हरियाणा में चुनाव को लेकर जारी उठापठक के पहलवानों ने कांग्रेस ज्वाइन कर अपनी सियासी पारी शुरू कर दी है। इसको लेकर पूर्व भाजपा सांसद और कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण भी हमलावर हो गए हैं। शनिवार को अपने आवास पर निजी चौनलों से बातचीत में उन्होंने कहा कि विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया के पीछे कांग्रेस का ही हाथ था। दोनों के कांग्रेस ज्वाइन करने से अब उसके षडयंत्र का पर्दाफाश हो गया है।

नवाबगंज क्षेत्र के बिश्नोहरपुर गांव में अपने आवास पर विनेश और बजरंग पर भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने जमकर निशाना साधा। कहा कि जब जंतर मंतर पर महिला पहलवानों का आंदोलन शुरू हुआ था तभी हमने साफ कर दिया था कि इस षड्यंत्र के पीछे दीपेंद्र और भूपेंद्र हुड्डा के अलावा कांग्रेस का हाथ है। बृजभूषण सिंह ने कहा की फाइनल स्क्रिप्ट कांग्रेस कार्यालय में ही लिखी गई थी और अब जनता इसका फैसला करेगी। इन लोगों ने खेल, खिलाड़ियों और हमारा अपमान किया है, हमारा ही नहीं खेल का भी नुकसान किया है। इन लोगों ने महिला खिलाड़ियों का अपमान किया है। ये लोग मुझे कहते हैं लेकिन मैंने नहीं कांग्रेस ने खिलाड़ियों का अपमान किया है। वहीं चुनाव लड़ने और प्रचार के सवाल पर बृजभूषण बोले कि पार्टी कहेगी तो चुनाव प्रचार करूंगा और भाजपा में नेताओं का अकाल नहीं नहीं है। फिलहाल मैं चुनाव नहीं केस लड़ रहा हूं। बृजभूषण ने कहा कि इन लोगों ने खेल को कैप्चर कर लिया है और उसी का परिणाम भगवान ने दिया है। एक दिन में दो भारवर्ग में इन लोगों ने खेला है और अभी विनेश ने कोई जवाब नहीं दिया। अब विनेश बाद में बोलेंगी की उनके साथ षडयंत्र हुआ है। बृजभूषण ने चुटकी ली की एक दिन कांग्रेस भी पछताएगी।

प्रसव का बिल चुकाने के लिए पिता ने मासूम को 20 हजार में बेचा, सिपाही ने भी लिया घूस

संवाददाता–कुशीनगर। बरवापट्टी थाना क्षेत्र के दशहवा के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती महिला और नवजात बच्चे को डिस्चार्ज कराने के लिए एक व्यक्ति द्वारा अपने एक बेटे को बीस हजार रुपये में बेच दिया। जानकारी मिलने पर डीएम ने एसपी को जांच कर कार्रवाई करने को कहा है। इस घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि लाइव हिन्दुस्तान नहीं करता है। इस मामले में एक सिपाही पर भी रुपये लने का आरोप लगा है। बरवापट्टी थाना क्षेत्र निवासिनी एक महिला गर्भवती थी। उसे पहले से चार बेटे और एक बेटी है। महिला का पति बेहद गरीब है। मजदूरी कर परिवार का पेट पालता है। महिला को प्रसव पीड़ा हुई तो उसके पति ने गांव के ही एक निजी अस्पताल में उसे भर्ती करा दिया। महिला ने बेटी को जन्म दिया। वहां की महिला डॉक्टर ने इलाज पर आए खर्च जमा कराने को कहा। उसने चार हजार रुपये मांगे। पैसे न होने पर अस्पताल ने महिला और नवजात को डिस्चार्ज नहीं किया था। रुपये नहीं जमा कर पाने की वजह से महिला और उसके बच्चे को अस्पताल प्रशासन डिस्चार्ज नहीं कर रहा था। मजबूर होकर उसने

अपने छोटे बेटे को एक व्यक्ति को 20 हजार रुपये में दे दिया। चार हजार रुपये प्राइवेट अस्पताल में जमा कर पत्नी और बच्ची को घर ले गया। पत्नी को घर छोड़ कर वह तमकुही राज तहसील गया। वहां बच्चा लेने वाले शख्स ने स्टाम्प पर लिखा पढ़ी कराई। शुक्रवार को गांव व आसपास बच्चा बेचने की बात फैल गई। जानकारी होने पर इस संबंध में डीएम उमेश मिश्र ने कहा है कि एसपी को जांच के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने थाने से टीम रवाना कर दी है। जब तक सच्चाई सामने नहीं आ जाती, तब तक इस बारे में कुछ भी कहना उचित नहीं होगा। उधर, गुरुवार की चुपके से हरेश अपने मासूम बेटे को लेकर तमकुहीराज तहसील गया था और वहां से बिना बेटे के लौटा। शुक्रवार को घर में उसकी पत्नी ने रोना पीटना शुरू किया तब यह बात गांव में फैली। गांव में बात फैलने के बाद हरेश पटेल ने बेटे को गोदनामा भोला यादव के नाम से बना कर उसे सौंपने की बात कबूल की।

शख्स ने वायरल वीडियो में एक सिपाही भी रुपये लेने का आरोप लगाया है। उसने कहा है कि सिपाही उसके घर पहुंचा था। बच्चा बेचने की बात कहते हुए उस अपने थाने चलने को कहा। थाने जाने के डर से उसने उसे भी किसी दलाल के माध्यम से पांच हजार रुपये दिए। इस संबंध में बरवापट्टी के एसओ ने बताया कि उन्हें ऐसे किसी मामले की जानकारी नहीं है। न ही कोई ऐसी शिकायत ही आयी है।

वकीलों ने उठाई साथी अधिवक्ता के हत्यारे को फांसी देने की आवाज

संवाददाता–बलरामपुर। जिला बार एसोसिएशन बलरामपुर व उतरौला में अधिवक्ताओं ने कासगंज की साथी महिला अधिवक्ता की अपहरण के बाद हत्या की घटना के विरोध में शनिवार को प्रदर्शन किया। बलरामपुर में एडीएम न्यायिक व उतरौला में एसडीएम को ज्ञापन दिया है। बलरामपुर में अधिवक्ताओं ने दीवानी न्यायालय परिसर में घूमकर हत्यारे को फांसी दो के नारे लगाए। साथ ही एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने की बात कही। उतरौला तहसील परिसर में वकीलों ने हत्यारे को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा दिलाने की मांग की। तहसील गेट पर जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन किया। चार सितंबर को कासगंज में अधिवक्ता मोहनी तोमर की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई थी। अभी तक मुल्जिमानों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इस बात को लेकर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं में आक्रोश है। शनिवार को जिला बार संघ अध्यक्ष मुकेश सिंह, महामंत्री संजय तिवारी, दि कलेक्ट्रेट बार महामंत्री अशोक सिंह, अजय बहादुर सिंह, युवा बार अध्यक्ष अनिल शुक्ला, महामंत्री शिव योगी शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष अमित पाण्डेय, आशीष सिंह, कमलेश्वर सिंह, अयाज अहमद, दुर्गेन्द्र पाठक, अभय शेखर सिंह गुंजन, आशुतोष सिंह, विभूती द्विवेदी, पंकज शर्मा, प्रियदर्शन मयंक, नितेश सिंह, इंद्रजीत तिवारी, मनीष कुमार गौतम, भीष्मसेन पाण्डेय, देवेन्द्र पाण्डेय, कृष्ण कुमार तिवारी, राजन शुक्ला आदि अधिवक्ता दीवानी परिसर में एकत्रित हुए। मुकेश सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा का सरकार को कोई ख्याल नहीं है। मोहनी तोमर एक काबिल वकील थीं जिनकी नृशंष हत्या की गई है। 48 घंटे के भीतर यदि गिरफ्तारी नहीं की गई तो उग्र आंदोलन चलाया जाएगा। महामंत्री संजय तिवारी ने कहा कि मोहनी तोमर की हत्या करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उनके आश्रितों को एक करोड़ रुपए आर्थिक सहायता एवं सरकारी नौकरी दी जाए। युवा बार अध्यक्ष अनिल शुक्ला बोले कि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश से स्वीकृत होकर विधि आयोग में लम्बित है। इस एक्ट के लागू होने से अधिवक्ताओं में असुरक्षा की भावना दूर होगी। विधि आयोग को इस एक्ट को शीघ्रता पूर्वक मंजूरी देनी होगी। बार संघ अध्यक्ष मुकेश सिंह व अन्य अधिवक्ताओं ने एडीएम न्यायिक को मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन दिया।

चरागाह की भूमि खाली कराने के लिए टीम गठित

संवाददाता–गोण्डा। सरकार के ओर से मिले आवास में ताला लगाकर करोड़ों रुपए के चरागाह की भूमि पर अनुसूचित जनजाति के लोगों ने डेरा जमा लिया। जिसकी शिकायत होने पर चरागाह खाली कराने के लिए तहसीलदार की अध्यक्षता में टीम गठित कर दी गई है। प्रकरण विकास खंड हलधरमऊ की ग्राम पंचायत छिटनापुर का है। राजस्व निरीक्षक जटाशंकर शुक्ला ने बताया कि तहसीलदार की अध्यक्षता में चरागाह की भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए टीम गठित कर दी गई है। कटरा रोड पर एक एकड़ से अधिक की भूमि राजस्व अभिलेख में बतौर चरागाह दर्ज है। सड़क के किनारे होने के कारण जमीन करोड़ों रुपए की बताई जा रही है जिस को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए करीब एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने डीएम को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर चरागाह को कब्जे से मुक्त कराने की मांग की थी। शिकायतकर्ता तरूण शुक्ला आदि ने बताया कि कटरा रोड पर स्थित चरागाह की भूमि पर घुमंतू अनुसूचित जनजाति के लोग चरागाह पर कब्जा करने के नियत से सरकारी आवास पाने के बावजूद उसमें डेरा जमाये हुए हैं । जो किसी भी कीमत पर चरागाह की भूमि पर अपना झंडा बुलंद करने का दिवा स्वप्न देख रहे हैं।

राजस्व निरीक्षक ने बताया कि भूमि गाटा संख्या 805 राजस्व अभिलेख में चरागाह के रूप में दर्ज है जो एक एकड़ से अधिक है। चरागाह पर कब्जा जमाये बैठे लोगों को आवास की भूमि का आवंटन पहले से ही पूर्व प्रधान के कार्यकाल में किया जा चुका है । जिसमें अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास दिया गया था जो बनकर तैयार है। लेकिन लाभार्थी उसमें नहीं रह रहे हैं। चरागाह भूमि पर रहने वाले करीब पंद्रह लोगों के विरुद्ध 115– सी की कार्यवाही भी हो चुकी है।

सपा कार्यालय पर पूर्व सांसद मित्र सेन यादव कि मनाई पूण्यतिथि

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । अयोध्या समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर पूर्व सांसद स्वर्गीय मित्र सेन यादव की नवी पुण्यतिथि मनाई गई इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव, महासचिव हामिद जाफर मीसम एवं पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनको नमन किया महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा पूर्व सांसद स्वर्गीय मित्र सेन बाबू गरीबों पिछड़ों दलितों के मसीहा थे उन्होंने हमेशा गरीबों दलित अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई और गरीबों को न्याय दिलाने का काम किया महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामीद जाफर मीसम, प्रदेश सचिव रामअचल यादव,उपाध्यक्ष श्री चंद यादव संजय सिंह रियाज अहमद,राकेश पांडे, सचिव वीरेंद्र गौतम,महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल अजय यादव, छात्र सभा अध्यक्ष अजय मिश्रा, प्रवीण राठौर, मिर्जा सनी सूर्यभान यादव, एडवोकेट जितेंद्र यादव, सुरेंद्र यादव प्रधान पार्षद राशिद सलीम बृजेश चौहान, अभिराम द्विवेदी, महमूद खान ऋतुराज सिंह बृजलाल,शाहबाज लकी अनस खान, आदि लोग मौजूद रहे।

संवैधानिक रूप से भारत घोषित हो हिंदू राष्ट्र–जगतगुरु परमहंस आचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री तपस्वी छावनी के पूर्व महंत सर्वेश्वर दास महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर तपस्वी छावनी के वर्तमान पीठाधीश्वर जगतगुरु परमहंस आचार्य द्वारा भारत को संवैधानिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय सनातन धर्म संसद का आयोजन किया गया, इस अवसर पर संतों की गरिमामयी उपस्थिति में अंतरराष्ट्रीय सनातन धर्म संसद में सात सुत्रीय प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें प्रमुख रूप से भारत को संवैधानिक रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए, गोवंश को राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए ,श्री रामचरितमानस और गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित किया जाए, राष्ट्र को बेरोजगार मुक्त किया जाए, ईसाई और मुसलमानों के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू किया जाए ,समान नागरिक संहिता लागू किया जाए तथा घुसपैठियों रोहिंग्या आतंकवादियों को देश से बाहर किया जाए।

धर्म संसद अध्यक्षता करते हुए जगतगुरु परमहंस आचार्य महाराज ने सभी सात सूत्रीय मांग पर विस्तार पूर्वक अपने विचार रखते हुए कहा कि धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ और पाकिस्तान मुस्लिम राष्ट्र बनाया गया तो भारत को हिंदू राष्ट्र क्यों नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने कहा कि राष्ट्र विरोधी नारा लगाने वाले लोगों को देखते ही गोली मार देना चाहिए। गाय हमारी माता है और विधर्मी उसको काटता है ऐसे विधर्मियों के विरुद्ध सरकार को कठोर कदम उठाने चाहिए। संचालन हनुमानगढ़ी के संत राजू दास द्वारा की गई, निर्माणी अखाड़ा के महंत मुरली दास, रामदास महाराज, हनुमान बाग के महंत जगदीश दास, महंत बाबा बलराम दास महाराज, सीताराम दास, महंत राजेश पहलवान, बसंतिया पट्टी के महंत रामचरण दास महाराज ,सचिव रामदास, महासचिव नंदराम दास, दिवाकराचार्य, सीताराम दास, राकेश नाथ, वीरेंद्र प्रसाद पाठक ,धर्म सेना प्रमुख संतोष दुबे, हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय, हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष महंत राम लोचन शरण शास्त्री राजन बाबा आदि ने अपने विचार रखें। धर्म संसद में उपस्थित संतों ने सर्वेश्वर दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर मामा दास,पहलवान मनी रामदास, नितिन दास, लवकुश दास सूर्यभान दास, उपेंद्र दास, जितेंद्र दास, बाल योगी विनोद दास, दिग्विजय पांडे, श्रीधर दास, सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

घर–घर हो रही श्री गणपति की पूजा, लोग मांग रहे मुरादें

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में गणेश उत्सव की धूम मची चुकी है। गणेश चतुर्थी के मौके पर जगह–जगह पूजा पंडालों में गणेश प्रतिमाओं को स्थापित कर दिया गया है। अनंत चतुर्दशी तक यहां पूजनपाठ किया जाएगा। सभी पंडालों पर श्रद्धालु जमकर पूजापाठ कर रहे हैं। घर–घर गणपति विराजमान हैं। डीजे की धुन पर श्रद्धालु थिरक रहे हैं। शाम को हुई गणेश आरती के बाद माहौल भक्तिमय हो गया। पूजा पंडालों के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़ लग रही है। जिले भर में लगभग 250 गणेश मूर्तियों की स्थापना की गई है। नगर में लगभग 30 से 35 मूर्तियां पंडालों में सजी हुई हैं। श्रीगणपति पूजन महोत्सव केन्द्रीय समन्वय समिति के संस्थापक अध्यक्ष अविनाश मिश्र ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा जिले में लगभग 50 नई गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई है। समितियों की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। नगर में गणेश पूजा महोत्सव समिति टेढ़ी बाजार, गणेश चतुर्थी नव युवा कमेटी बाल्मीकी बस्ती तुलसीपार्क, समय माता स्थान गणेश चतुर्थी कमेटी टेढ़ी बाजार, श्रीगणेश चतुर्थी बाल गोपाल संघ चौक उत्तर लाइन, गणेश पूजा समिति चूड़ी मार्केट, सिद्धि विनायक सेवा समिति मेजर चौराहा, नव युवक गणपति कमेटी कालीमाई थान सहित दर्जनों स्थानों पर पंडालों में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है। सात दिनों तक चलने वाले महोत्सव में समितियों की ओर से आरती थाल प्रतियोगिता, जागरण, भंडारा सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आगामी 14 सितंबर को सिसई घाट स्थित राप्ती नदी तट पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। इस बार गणेश प्रतिमा की ऊंचाई चार से सात फिट तक रखी गई है। समितियों की ओर से पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। पंडालों में लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की गई है। अलग–अलग रूपों में गणपति बप्पा पंडालों में विराजमान हैं। श्रद्धालु विधि विधान से श्रीगणपति की पूजन अर्चन कर विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना कर रहे हैं।

चरित्र मानव धर्म की सबसे बड़ी पूंजी है –पंकज महराज

संवाददाता–बहराइच। आम जनमानस में प्रभु के प्रति भक्ति भावना भरने, सामाजिक समरसता लाने,अच्छे समाज के निर्माण का संकल्प लेकर जयगुरुदेव धर्म प्रचारक राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तराधिकारी सन्त पंकज जी महाराज 14 अगस्त से 108 दिवसीय आध्यात्मिक जनजागरण के तहत शनिवार को बाबागंज में पहुंचे। उन्होंने सत्संग सुनाते हुए कहा कि नर–नारियों! न जाने किस महात्मा की दया हो गई, न जाने कौन– कौन से जन्म–जन्मान्तरों के शुभ पुण्य कर्म उदय हो गए, जो आपको ये मनुष्य शरीर मिल गया है। सौभाग्य से यह वक्त का इतना बड़ा वरदान आपको मिला। ये घर बार अपना नहीं, अरे पराया देश है, ये सरायखाना है, मुसाफिर खाना है। शरीर भी तुम्हारा नहीं, ये काल का पिंजरा है, किराये का मकान है। देश में बढ़ती हिंसा व अपराध पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा चरित्र मानव धर्म की सबसे बड़ी पूंजी है। लोगों का चरित्र उत्थान, शाकाहारी व नशा मुक्त बनाना समय की मांग है। जिस शराब के पीने से आंखों से मां, बहन, बेटी की पहचान खत्म हो जाती है, तो उसे पीने से यह निर्णय कैसे कर सकेंगे क्या अच्छा है और क्या बुरा। इस अवसर पर संगत बहराइच के जिलाध्यक्ष रमाकान्त चौहान,भूस्वामी महन्त कृष्ण गोपाल जी, सदावृक्ष यादव, श्याम लाल विश्वकर्मा, बरातीलाल मौर्य, सन्त राम आर्या, ओम प्रकाश यादव, मुन्ना लाल वर्मा, अवधेश वर्मा तथा नेपाल राष्ट्र के अध्यक्ष राधेश्याम, राम प्रसाद, सुरेश आदि संस्था के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सैनिक स्कूल शुभारंभः उपराष्ट्रपति ने कहा, 3 वर्ष में सैनिक स्कूल बनाकर सीएम योगी ने किया चमत्कारिक काम

संवाददाता–गोरखपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बताते हुए यहां 2017 के बाद आए बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में बनी भारत की अलग और सशक्त पहचान में उत्तर प्रदेश की गुणात्मक भागीदारी है। उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सबसे योगदान देने की अपील करते हुए कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें कम है। उपराष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित थीं। उपराष्ट्रपति ने उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 के बाद यूपी में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता तथा अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है।

जबकि 2017 के पहले यह प्रदेश डर की चपेट में था। कानून व्यवस्था ठीक नहीं थी, आम आदमी परेशान रहता था। कई पहलुओं पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर को मात्र तीन वर्ष में पूरा करवाकर योगी जी ने शानदार और चमत्कारिक कार्य कर दिखाया है। कहा, वैसे तो सीएम योगी के चमत्कारिक कार्यों की गूंज हर जगह सुनाई देती है। तीन वर्ष में सैनिक स्कूल बनकर संचालित होना मुश्किल और अकल्पनीय था लेकिन सीएम योगी ऐसा कर देंगे, यह विश्वास भी था। सैनिक स्कूल समेत सभी स्कूलों के विद्यार्थियों और आमजन को प्रेरित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीयता हमारी पहचान और राष्ट्र हमारा धर्म है। हमें निजी स्वार्थ से ऊपर राष्ट्र धर्म को रखना होगा। राष्ट्रवाद से समझौता राष्ट्र के साथ धोखा होगा। राष्ट्र पर प्रश्न चिन्ह लगाने वालों को हमें बर्दाश्त नहीं करना है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत दस साल पहले वाला भारत नहीं है। बल्कि सशक्त भारत है। पहले देश का सोना स्विट्जरलैंड के बैंक में गिरवी रखा जाता था आज ऐसी स्थिति नहीं है बल्कि देश के स्वर्णकोष पर्याप्त है। जिस कश्मीर में कोई दिखता नहीं था, वहां धारा 370 समाप्त होने के बाद दो–तीन वर्ष से दो करोड़ से अधिक पर्यटक आ रहे हैं। संविधान निर्माताओं ने धारा 370 को अस्थायी बनाया था लेकिन कुछ लोग इसे परमानेंट मान बैठे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने विद्यार्थियों की समझाते हुए कहा कि उन्हें असफलता से कभी डरना नहीं चाहिए क्योंकि असफलता, सफलता की शुरुआत का केंद्र है। उन्होंने कहा कि डर का डर मन से निकाल दें। डरेंगे तो आपकी प्रतिभा कुंठित होगी। उन्होंने चंद्रयान 3 की अभूतपूर्व सफलता का आधार चंद्रयान 2 की आंशिक सफलता को बताया। शिक्षा की महत्ता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा बदलाव का माध्यम है। सामाजिक कुरीतियों पर कुठाराघात शिक्षा के माध्यम से ही किया जा सकता है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण अंग है। इस क्षेत्र के पहले सैनिक स्कूल का ढांचा

अद्भुत है। इस शानदार सैनिक स्कूल के रूप में सीएम योगी ने जो करिश्मा किया है वह भविष्य की पीढ़ी निर्माण का रास्ता है। वह आश्वस्त हैं कि यह सैनिक स्कूल योगी जी की विशिष्ट छाप का प्रतिबिंब रहेगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 1960 में देश के पहले सैनिक स्कूल की स्थापना उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने की थी। अब यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सोसाइटी के माध्यम से सैनिक स्कूल खोलने की सराहनीय कार्य किया है। कम समय में सैनिक स्कूल बनाकर और सबसे अधिक दिन मुख्यमंत्री रहकर योगी ने पूर्व सीएम डॉ. संपूर्णानंद का रिकार्ड तोड़ दिया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि जब देश के सबसे बड़े प्रांत के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरे आवास पर आकर सैनिक स्कूल गोरखपुर के लोकार्पण के लिए निमंत्रण पत्र दिया तो मैं बहुत भावुक हो गया। उन्होंने कहा कि वैसे तो सीएम योगी की हर बात असाधारण है पर सैनिक स्कूल के लिए योगी जी का निमंत्रण पत्र भी असाधारण ही था। उन्होंने मुझे सैनिक स्कूल के एक पुरातन छात्र के रूप में निमंत्रित किया। सीएम योगी की नजर पैनी और पारखी है। मुझे बुलाने के लिए मुझ पर जितना होमवर्क उन्होंने किया, उतना मेरे निकट संबंधियों ने भी नहीं किया होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में आकर वह काफी भावविभोर और प्रफुल्लित हैं।

आज उनके सामने छहदशक पूर्व का दृश्य जीवंत हो रहा है जब वह खुद सैनिक स्कूल के छात्र थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरे लिए यह अविस्मरणीय काम कर दिया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इस निमंत्रण के जरिये सीएम योगी ने यह भान भी कराया कि शिक्षा बदलाव लाने, असमानता दूर कर समानता पैदा करने का माध्यम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सैनिक स्कूल गोरखपुर के लोकार्पण के लिए मौका देकर योगी आदित्यनाथ ने मेरे जीवन में नया अध्याय जोड़ दिया है। इसे कभी नहीं भूलेंगे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि गोरखपुर का सैनिक स्कूल हर राज्य को प्रेरणा देगा कि वह भी इसके तर्ज पर सोसाइटी बनाकर अपने राज्य में सैनिक स्कूल की स्थापना करें। उन्होंने कहा कि इस सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में आकर आज मेरा जो लगाव गोरखपुर से हुआ है वह जीवन पर्यंत बना रहेगा। सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और नाथ संप्रदाय की साधनास्थली गोरक्षभूमि को नमन करते हुए इसका अपने गृह क्षेत्र राजस्थान से रिश्ता जोड़ा। उन्होंने कहा कि वर्तमान गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ राजस्थान के उदयपुर से थे।

गीता प्रेस के हनुमान प्रसाद पोद्दार का ताल्लुक भी राजस्थान से ही था। उन्होंने कहा कि यह उनका परम सौभाग्य रहा है कि सीएम योगी के गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ के साथ वह लोकसभा के सदस्य रहे। केंद्र में जब वह मंत्री बने तो उन्होंने जिन कुछ लोगों का आशीर्वाद लिया था, उसमें महंत अवेद्यनाथ भी एक थे। सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंगवस्त्र तथा टेराकोटा की गणेश जी की प्रतिमा भेंटकर उपराष्ट्रपति का अभिनंदन किया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी ने उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ को टेराकोटा की गणेश जी की प्रतिमा भेंट की। सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार का नया केंद्र गोरखपुर बन गया है। सैनिक स्कूलों के छात्रों के बीच जाकर सीनियर बन गए उपराष्ट्रपति। बताया कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ खुद सैनिक स्कूल से पढ़े हैं और हर बार फर्स्ट क्लास पास हुए थे। सैनिक स्कूल के लोकार्पण समारोह में स्वागत संबोधन में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि गोरखपुर में बने इस सैनिक स्कूल के लोकार्पण के साथ आज एक नई यात्रा की शुरुआत हो रही। यह सैनिक स्कूल देश की सुरक्षा, समर्पण और अनुशासन के प्रतीक के रूप में उभरेगा। माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश की मजबूत हो रही शिक्षा व्यवस्था की चर्चा करते हुए कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने नकलविहीन परीक्षा कराने के साथ बहुत कम समय मे परीक्षा परिणाम जारी कर कीर्तिमान बनाया है। कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार से माध्यमिक विद्यालयों का कायाकल्प हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मेजबानी में हुए इस समारोह में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्रपाल सिंह, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सैनिक स्कूल गोरखपुर का उद्घाटन करने के साथी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ इसका निरीक्षण किया। उन्होंने क्लास रूम, प्ले ग्राउण्ड, तरणताल, आवासीय परिसर आदि का अवलोकन किया। तत्पश्चात नवनिर्मित एकलव्य शूटिंग रेंज स्थल पर शूटिंग का अभ्यास भी किया।

पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने के दृष्टिकोण से पौधरोपण कर प्रकृति को हरा भरा रखने का संदेश दिया। उपराष्ट्रपति जब मंच पर पहुंचे तो कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रगान और सरस्वती वंदना से हुई। इस अवसर पर सैनिक स्कूल के कैडेट्स ने सैनिक स्कूल के छात्र जीवन से लेकर सैन्य जीवन तक की दिनचर्या पर भावपूर्ण नाट्य प्रस्तुति की।

अधिवक्ताओं ने दूसरे दिन भी किया विरोध प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के अधिवक्ताओं ने कासगंज की महिला अधिवक्ता के नृशंस हत्याकांड के विरोध में दूसरे दिन शनिवार को भी प्रदर्शन किया। बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर कार्य बहिष्कार कर अधिवक्ताओं ने विरोध जताया। दीवानी न्यायालय से प्रदर्शन व नारेबाजी करते अधिवक्ता कलक्ट्रेट पंहुचे। अधिवक्ता महिला अधिवक्ता के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी तथा मृतक के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने के साथ अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग कर रहे थे। मांगों के संबंध में अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रभारी अधिकारी कलक्ट्रेट को सौंपा । बार कौंसिल आफ उत्तर प्रदेश के भेजे पत्र के आधार पर जनपद बार एवं सिविल बार एसोसिएशन की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में बार कौंसिल के पत्र का समर्थन करते हुए कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया गया। इसके बाद अधिवक्ता प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए कलक्ट्रेट पहुंच गए। मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कासगंज की महिला अधिवक्ता मोहिनी तोमर के हत्यारोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने, मृतक आश्रित को एक करोड़ रुपए क्षतिपूर्ति देने, प्रकरण का खुलासा करने तथा एक मृतक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की गई। इसके साथ ही प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की गई। अधिवक्ताओं का कथन है कि बार कौंसिल द्वारा अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रारूप तैयार करके समिति को दिया जा चुका है। इतना ही नहीं समिति से स्वीकृत होकर विधि आयोग में लम्बित है। अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू न होने से ही अधिवक्ताओं के विरुद्ध अत्याचार बढ़ रहे हैं। अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य न करने से वादकारियों को निराश लौटना पड़ रहा है।

ट्रैकमैनों से कटवाया जा रहा घास, महामंत्री से की शिकायत

संवाददाता–गोरखपुर। एनई रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री केएल गुप्ता ने शनिवार को कैंट छावनी पर ट्रैक मेंटनेस का काम कर रहे ट्रैकमैनों से मिलकर हाल पूछा और ट्रैक से संबंधित जानकारी ली। ट्रैकमैनों ने उन्हें बताया कि सभी यूनिटों में ट्रैक मेंटनर, वेल्डर, कीमैन से ट्रैक के किनारे, यार्ड में उगे घास एवं खरपतवार काटने का कार्य कराया जा रहा है। कर्मचारी के मना करने पर साजिश के तहत चार्जशीट देकर पास, पीटीओ बंद कर दिया जा रहा है।

महामंत्री ने बताया कि महाप्रबंधक के पीएनएम दो सितंबर को छह चीफ ट्रैक इंजीनियर को दिए पत्र में यह निर्णय लिया गया है कि लाइन के किनारे, यार्डों में हरे भरे घासों को केमिकल का छिड़काव करा नष्ट कराया जाए। ट्रैकमैनों ने यह भी बताया कि लखनऊ मंडल के यूनिटों में भी सेक्शनल इंचार्ज द्वारा घास कटवाया जा रहा है। कर्मचारियों के आपत्ति करने पर किसी न किसी मामले में चार्जशीट दिया जा रहा है। महामंत्री ने बताया कि इसकी जानकारी वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय लखनऊ को दी गई है। उन्होंने कहा है कि घास कटवाने का प्रावधान नहीं है। फोन करके कहा कि यदि यूनिटों में ट्रैकमैन से घास कटवाने का कार्य कराया जा रहा है तो तत्काल रोक लगाई जाए।

जिस मित्र से मांगी मदद उसी ने किया धोखा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के अतरौलिया में एक व्यक्ति ने जिस मित्र से मदद मांगी उसी ने धोखा दिया। पीड़ित के ऑनलाइन गेम में जीते पैसे को वॉलेट से मदद करने वाले ने अपने खाता में ट्रांसफर करा लिया। इसकी भनक लगते ही पीड़ित ने स्थानीय थाने में तीन के खिलाफ नामजद तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के अतरौलिया उर्फ मदिया निवासी विवेक कुमार पुत्र बाल किशुन यादव ने बताया कि वह मोबाइल से 91 क्लब (एविएटर गेम) खेलता है। रोज की तरह वह 6 सितम्बर को खेल रहा था। लेकिन इस दौरान पैसा गेम वालेट से डिपॉजिट नहीं हो पा रहा था। इसके बाद उसने अपने दोस्त अमन तिवारी से सहायता मांगी। वादी के अनुसार अमन तिवारी ने कहा कि चाचा गौरव पाण्डेय से कहें, वह मदद कर देंगे। इसके बाद उसने गौरव पाण्डेय के खाते में यूपीआई के माध्यम से दो सौ रुपये भेजे। गौरव पाण्डेय ने उससे गेम का आईडी पासवर्ड मांगकर खाते में सौ रुपये जमा कर दिए। पीड़ित के अनुसार उसने खेलना शुरू किया। मोबाइल से 91 क्लब (एविएटर गेम) से उसने आठ लाख पचहत्तर हजार तेईस रुपये जीत लिए। इसकी जानकारी जब गौरव पाण्डेय को हुई तो उसने अमन तिवारी को उसके घर भेज दिया। चार्जिंग में लगा मोबाइल मंगवा लिया। इसके बाद गौरव ने उसके जीते पैसे को गेम वालेट से ओटीपी के माध्यम से राहुल पाण्डेय के खाते में ट्रांसफर कर दिया। गेम की आईडी और पासवर्ड भी बदल दिया। विवेक ने बताया कि जब वह जीता हुआ पैसा मांगने अमन तिवारी और गौरव पाण्डेय के पास पहुंचा तो उसे गालियां और जानमाल धमकी दी गई। इंस्पेक्टर राम कृष्ण मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्रतिवादी अमन तिवारी, गौरव पाण्डेय और राहुल पाण्डेय पता अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

भाजपा का संकल्प हर वर्ग का हो कल्याण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के पेड़रियाजीत चौराहे पर शनिवार को भाजपा नेता राम कुमार उर्फ चिनकू यादव के नेतृत्व में आयोजित सदस्यता अभियान के दौरान लोग पार्टी के सदस्य बने। पेड़रियाजीत, बिलरिया आदि चौराहों पर आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी नेता चिनकू यादव ने कहा कि भाजपा की सदस्यता अभियान संगठन पर्व है।

भाजपा का संकल्प है कि हर वर्ग का कल्याण हो। उन्होंने बताया कि बस एक मिस्ड काल से सदस्य बन सकते हैं। इस दौरान उदयपाल वर्मा, मोनू मिश्र, महेंद्र यादव, बलेश्वर यादव, अवधेश सिंह, अजयराम, महेश, रमेश आदि मौजूद रहे।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, फांसी पर लटका मिला शव

संवाददाता–अयोध्या। पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के सोफियापारा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताते हैं कि पानी टंकी पर चढ़ने वाले सीढ़ी के बगल रेलिंग से एक युवक ने फांसी लगा लिया। जिसकी पहचान गगन पांडेय 28 वर्षीय पुत्र ओंकार नाथ पांडेय निवासी सोफिया पारा के रूप में हुई। स्थानिय ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक युवक शुक्रवार की देर शाम लगभग साढ़े नौ बजे घर से निकला था और वह घर नहीं लौटा सुबह ग्रामीणों ने देखा कि फांसी लगाकर जान दी है तो इसकी सूचना पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिनी रूचि गुप्ता पुत्री श्री राम सिहिट ग्राम व पोस्ट– केवाडी थाना– दुबौलिया जनपद बस्ती की निवासिनी है। वह अपने घर से चिलमा बाजार मार्कशीट का फोटो कापी करवाने जा रही थी कि उसकी मार्कशीट कहीं रास्ते में गिर गई। दूसरी मार्कशीट निर्गत होना जरूरी है। यदि किसी को प्राप्त हो तो मेरे पते पर उपलब्ध कराकर सहयोग करें।

शार्ट सर्किट से कपड़े की दुकान में लगी आग, सब कुछ राख

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के कठेला कोठी चौराहे पर शुक्रवार रात बिजली के शार्ट सर्किट से एक कपड़े की दो मंजिला दुकान में आग लग गई। इससे दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद जाकर आग पर काबू पाया गया। आगजनी में लाख का नुकसान बताया जा रहा है। कठेला निवासी रंगीलाल की कठेला कोठी चौराहे पर दो मंजिला भवन में कपड़े की दुकान है। प्रतिदिन की तरह शुक्रवार रात वह अपनी दुकान बंद कर घर पर सोने चले गए थे। देर रात बिजली के शार्ट सर्किट से कपड़े की दुकान में आग लग गई। इसकी जानकारी उन्हें तब हुई जब आग की लपटें विकराल रूप धारण कर दो मंजिला दुकान को अपनी चपेट में ले लीं। शोर सुन कर जब तक ग्रामीणों के साथ फायर बिग्रेड की गाड़ी मौके पर पहुंच आग बुझाई तब तक दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आगजनी की इस घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। तहसीलदार इटवा रवि कुमार यादव ने बताया कि आगजनी में हुए क्षति का आकलन करने के लिए हल्का लेखपाल को भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद पीड़ित दुकानदार को हर संभव मदद दिलाई जाएगी।

सीडीओ ने किया निर्माणाधीन जीजीआईसी भवन का निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज नगर पंचायत कार्यालय के पीछे 4.84 करोड़ की लागत से बन रहे राजकीय कन्या इंटर कॉलेज भवन का शनिवार को सीडीओ जयेंद्र कुमार ने निरीक्षण किया। जहां पर गुणवत्ता की परख के साथ काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। सीडीओ ने कार्यदायी संस्था यूपीसीएलडीएफ द्वारा कराए जा रहे निर्माण में प्रयुक्त होने वाले सामग्रियों की गुणवत्ता परखी। कमरों में पहुंच कर लंबाई चौड़ाई की जांच की, जो मानक के अनुरूप मिला। सीडीओ ने बताया कि जीआईसी के पुराने भवन को शीघ्र ही ध्वस्तीकरण कराया जाएगा। इसके लिए जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

कासगंज में अधिवक्ता की हत्या के विरोध में सौंपा ज्ञापन, हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कासगंज में तीन सितंबर को महिला अधिवक्ता की नृशंस हत्या के विरोध में शनिवार को जिले भर के विभिन्न न्यायालयों के अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रह मुख्यमंत्री व राज्यपाल को ज्ञापन भेज कर हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही मृतका के परिजन को एक करोड़ का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व अधिवक्ता प्रोटक्शन बिल विधानसभा में पास करने की मांग की।

सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष इंदु कुमार सिंह, महामंत्री दिव्य प्रकाश शुक्ला, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यदेव सिंह अधिवक्ताओं के साथ कलक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता की हत्या से वह लोग आहत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को अधिवक्ताओं के उत्पीड़न व हत्या के मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए। दोनों संगठन न्यायिक कार्य से विरत रहे। सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री जबकि जिला बार एसोसिएशन ने एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेज कर महिला अधिवक्ता के हत्यारों की गिरफ्तारी, मृतका के परिजन को एक करोड़ का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने व अधिवक्ता प्रोटक्शन बिल विधानसभा में पास करने की मांग की।

बांसी मे भी कासगंज की घटना के विरोध में बांसी बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष आदित्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में संपूर्ण समाधान दिवस में आये डीएम को ज्ञापन सौंपा।

अधिवक्ताओं ने कहा कि कासगंज में एक महिला अधिवक्ता की नृशंस हत्या कर दी गई। उन्होंने सरकार से 48 घंटे के अंदर हत्यारोपितों को गिरफ्तार कर सख्त सजा देने व मृतक परिवार को मुआवजा देने की मांग की। साथ ही प्रदेश में अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट्स प्रोटक्शन बिल स्वीकृत कर लागू करने व इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड जारी करने और सेवानिवृत होने पर 25 हजार रुपये प्रति महीने पेंशन देने की मांग की।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेस्पाण्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0– C 201617000036

अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती

मनोज आदि

बनाम

देवनाथ आदि

1. देवनाथ पुत्र पारसनाथ 2/1 श्रीमती पार्वती देवी पत्नी पारसनाथ 3. रघुनाथ 4. प्रभुनाथ 5. रामनाथ पुत्रगण पारसनाथ (रेस्पान्टेन्ट प्रथम वर्ग) 6/1 राधेश्याम 6/2 घनश्याम 6/3 तुलसीराम 6/4 बंशीराम 6/5 रामवृक्ष पुत्रगण श्रीराम (रेस्पान्टेन्ट द्वितीय वर्ग) साकिनान मौजा मरवटिया तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पाण्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिब हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 07 माह 09 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 59/2024

गुलजार–सायलान

1 गुलजार उम्र करीब 75 साल पुत्र जगेसर 2. सुरेमना देवी उम्र करीब 68 साल पत्नी गुलजार साकिनान मौजा कटौधा वनकटी तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम पोस्ट भरवलिया तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925 दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्र हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 14–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम 07 माह 09 सन 2024 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 165/2019

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मुन्ना लाल जायसवाल

बनाम

बाकर अली आदि

1. बाकर अली उम्र लगभग 50 साल पुत्र स्व0 श्री इन्सान अली निवासी मौजा जगदीशपुर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. सन्तराम उम्र लगभग 62 साल 3. परसुराम उम्र लगभग 65 साल पुत्रगण रामराज निवासीगणमौजा उमरी अहरा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 356/2024

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

जगदीश तिवारी

बनाम

गोरखनाथ आदि

1. घनश्याम 2. हनुमान पुत्रगण गोरखनाथ साकिनान मौजा रायठ तप्पा रायठ परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती 3. विन्दूमती देवी पुत्री गोरखनाथ पत्नी हरिकृष्ण पाठकसाकिन पचमोहनी तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 04–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

घर से निकले युवक की तालाब में लाश मिली

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के एक गांव में शनिवार की दोपहर में एक युवक का शव गांव के तालाब से उतरता मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, क्षेत्र के ग्राम घोड़ादेउर निवासी नंदलाल का 20 वर्षीय पुत्र विनोद कुमार की लाश गांव के तालाब में उतरता हुआ दिखाई दी। ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। तालाब में शव मिलने की जानकारी होने के बाद प्रधान पति कृष्णमोहन यादव के साथ कई लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस को सूचना देने के साथ ही तालाब से शव को निकलवाया गया। बताया जा रहा है कि युवक सुबह किसी जरूरत से घर से निकला था।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com